28/5/26 पत्रावली पेश हुई। वादी वकील अनु। वादी को एक - एककर तीन बार आवाजें लगवाई गई, परन्तु शाम 5 बजे तक न तो वादी और न ही उनकी ओर से कोई प्लीडर उप- हुआ। अत: पत्रावली को अदम हाजरी, अदम पैरवी मे खारिज किये जाने के आदेश प्रदान किये जाते है। पत्रावली फैसल शुमार होकर, एक नम्बर से कम होकर, दाखिल दफ्तर हो।